



# कमसिन कॉलेज गर्ल की कामवासना

“मैं अभी कॉलेज में पढ़ाई कर रही हूँ, मेरी क्लासमेट मेरे भाई की गर्लफ्रेंड है. वो उसे मेरी मदद से चोदता है. तो मेरी चूत भी लंड के लिए तड़प उठती है. मेरी  
प्यासी चूत का इलाज कैसे हुआ ? ...”

**Story By:** (riyaasahu)

**Posted:** Tuesday, March 19th, 2019

**Categories:** [बाप बेटी की चुदाई](#)

**Online version:** [कमसिन कॉलेज गर्ल की कामवासना](#)

# कमसिन कॉलेज गर्ल की कामवासना

मेरा नाम रिया है, मैं अभी कॉलेज में पढ़ाई कर रही हूँ, मैं दिखने में गोरी हूँ, मेरे दूध पिछले साल उभरने शुरू हुए थे, और मेरे चूतड़ भी निकल आये हैं।

मेरे घर में मैं, मेरा बड़ा भाई और मम्मी पापा हैं, पापा वकील हैं और मेरी मम्मी हाउसवाइफ हैं।

यह मेरी पहली कहानी है, मैंने अन्तर्वासना पर कहानियां पढ़ी और लगा कि मेरी कहानी भी पाठकों तक पहुंचनी चाहिए तो मैंने भी अपनी कहानी लिखने का फैसला किया, अगर कहानी पसंद न आये तो माफ कीजियेगा।

सीधे कहानी पे आती हूँ.

मैं और मेरा भाई जो मुझसे डेढ़ साल बड़ा है, हम दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ाई करते हैं, हम दोनों के लिए पापा ने कॉलेज जाने के लिए एक स्कूटी दे रखी है, कॉलेज में मेरी बहुत सारी सहेलियां हैं जो काफी स्मार्ट और खूबसूरत हैं और मैं भी कम नहीं हूँ, मैं दिखने में गोरी, चिट्ठी, अपने उम्र से काफी बड़ी लगती हूँ. इसी कारण कॉलेज के लड़कों की नजर मुझ पर हमेशा रहती है. लड़कों के अलावा कॉलेज के टीचरों की नजर भी मेरी चूची पर टिकी रहती है जब मैं उनके पास से गुजरती हूँ तो।

मेरा भाई हीरो टाइप का है और उसकी एक गर्लफ्रेंड है जो मेरे क्लास में मेरे साथ पढ़ती है. वो मेरे बहाने उस लड़की से बात करता है कॉलेज में और उस लड़की का नंबर भी मुझसे मांगकर उससे फोन पर बात भी करता है, वो हमेशा मेरी हेल्प लेता है उस लड़की से बात करने के लिए।

मैं भी अब जवान हो रही हूँ और मुझे भी कुछ कुछ होता है जब किसी लड़के लड़की को

एक साथ बात करते या मिलते देखती हूँ तो !

लेकिन मेरे पापा बहुत कड़क हैं, उनके डर के मारे मैं किसी लड़के से बात नहीं करती हूँ और अपनी जवानी की आग को शांत रखने की कोशिश करती हूँ।

मेरी सहेलियां अपनी चुत में उंगली करकर अपनी आग को शांत रखती हैं और मुझे भी ऐसा करने को बोलती हैं। लेकिन मेरी फुद्दी की आग उंगलियों से शांत नहीं होती है, और मैं रोज तड़पती रहती हूँ।

मेरा भाई अपनी गर्लफ्रेंड को मेरे बहाने हमारे घर में बुलाता है और वे लोग अकेले कमरे में चुदाई करते हैं, मैं कमरे के बाहर से उनकी आवाज सुनकर अपनी चुत में उंगली करती रहती हूँ, मन करता है कि किसी दिन अपने भाई से ही चुदा लूँ लेकिन ऐसा नहीं कर सकती हूँ।

मैं अपनी मम्मी के मोबाइल में हर रात को गंदी मूवी और फोटो देखकर अपनी फुद्दी का रस निकाला करती थी और किसी दिन अपनी खुद की नंगी फोटो निकाल कर उसको देखा करती थी. देखते देखते सोचती कि कोई तो आके मेरी इस प्यारी चुत की बजाये और उसको चूमे, चांटे जैसा गंदी फिल्मों में होता है ठीक वैसा ही।

मैं अपनी फोटो खींचकर अपनी सहेलियों को देती और मेरी सहेलियां अपनी फोटो मुझे दिया करती थीं, मज़ा आता था हमे ऐसा करके।

एक बार मेरी मम्मी रात को मेरे रूम में आई और बोली- तू ठीक तो है न रिया ?

मैंने कहा- हां मम्मी, मैं तो ठीक हूँ।

फिर उन्होंने कहा- तू रोज रात को मेरा मोबाइल ले आती है और बहुत रात तक जागते रहती है, ज्यादा रात तक मत जगा कर बेटा, तबियत खराब हो जाएगी तेरी.

मैंने कहा- ठीक है मम्मी, अब से नहीं जागूँगी.

तभी मम्मी ने कहा- तू मेरे मोबाइल में अपने अपनी फोटो लेती है, बहुत सारी फोटो है

तेरी इसमें !

तो मैंने कहा- हां मम्मी, सेल्फी लेकर फ्रेंड्स को सेंड करती हूँ।

“लेकिन इसमें तो तेरी नंगी फ़ोटो हैं, वो किसे सेंड करती है ?”

इतना सुनकर मैं एकदम सुन्न हो गयी और मम्मी से माफी मांगने लगी और बोली- गलती से ले ली थी मम्मी वो फोटोज और उस फोटोज को डिलीट करने को बोलने लगी.

मम्मी ने ‘ठीक है’ कहा और मेरे रूम से चली गयीं।

मैंने कसम खाई कि अबसे ऐसा कभी नहीं करूंगी और सो गई।

लगभग एक हफ्ते तक शांत रहने के बाद मेरे अंदर फिर से खुजली होने लगी और मैं फिर से अपनी चुत से खेलने लगती, रात को अकेली पूरी नंगी होकर अपनी चुत में पूरे अंदर तक अपनी बड़ी वाली उंगली को अंदर बाहर करती और मज़े लेती थी, मेरी सहेलियां मुझे कॉलेज में बोलती- तू आजकल व्हाट्सएप्प में क्यों नहीं आती है, आया कर न ... मज़ा आता है बहुत !

तो मैंने कहा- नहीं यार, मेरी मम्मी ने वो फ़ोटो देख ली थी. अब मैं उनका मोबाइल नहीं छूती हूँ। लेकिन तुम लोगों को मिस करती हूँ बहुत रात को।

उन्होंने कहा- तू अपने पापा का मोबाइल से किया कर अगर मम्मी ने मना किया है तो ?

तो मैंने कहा- नहीं यार, पापा से और डर लगता है. वो अपना मोबाइल नहीं देते मुझे चलाने को।

लेकिन मुझे लत लग गयी थी अपनी चुत में उंगली करने और उसका रस पीने की।

दीवाली के समय मैंने पापा से उनका मोबाइल मांगा चलाने को !

उन्होंने कहा- कुछ भी चीजों को इधर उधर मत करना और सुबह पूरा चार्ज करके मुझे देना !

मैंने ओके कहा और अपने रूम में आकर उसमें गंदी मूवी देखने लगी और अपनी लेगिंग्स

उतारकर चूत को चोदने लगी अपनी उंगलियों से।

फिर मैंने सोचा कि अन्तर्वासना पर मैंने बहुत सी कहानियां पढ़ी हैं बाप बेटी की चुदाई के बारे में ... तो क्यों न पापा से ही अपनी चुदाई करवा लूँ, अगर पापा मान गये तो रोज चुदाई करवा पाऊंगी अपनी ... और किसी को बाहर पता भी नहीं चलेगा।

फिर मैंने पापा के मोबाइल में अपनी नंगी वीडियो बनाना शुरू किया जिसमें मैं पूरी नंगी होकर अपनी चुत में उंगली कर रही थी और अपने मुलायम दूध को मसल रही थी. अपनी गंदी वीडियो बनाकर उसको मैंने पापा को दिखाने के लिए उनके मोबाइल से डिलीट नहीं की और सुबह पापा जब अपने आफिस गए तो मैंने वो वीडियो सहित मोबाइल उनको दे दिया।

फिर मैं भी कॉलेज चली गयी और पापा के बारे में सोचने लगी कि वो वीडियो देखकर क्या करेंगे, मुझसे कुछ कहेंगे कि मम्मी को कुछ बोल मत देंगे करके मैं दिनभर ऐसा सोचने लगी. और रात का इंतजार करने लगी।

रात को मैं खाना खाकर अपने रूम में पापा के आने का इन्तजार करने लगी.

पापा घर आये और मम्मी से बात करने लगे, उन्होंने खाना खाया और सोने चले गए. मैंने सोचा कि शायद उन्होंने आज वो वीडियो नहीं देखा हो.

और मैं भी सोने की तैयारी करने लगी.

10 मिनट बाद मेरे रूम का दरवाजा किसी ने खटखटाया, मैंने दरवाजा खोला सामने पापा खड़े थे और वो थोड़े गुस्से में लग रहे थे, मैंने पूछा- क्या हुआ पापा ?

उन्होंने कहा- तुम रात को मेरे मोबाइल से क्या कर रही थी ?

मैं चुप थी.

पापा मुझे डांटने लगे, उन्होंने पूछा- तुम्हारा किसी से चक्कर चल रहा है क्या ?

तो मैंने कहा- नहीं पापा ।

उन्होंने मुझे समझाया- किसी के चक्कर में मत रहना, चुपचाप अपनी पढ़ाई में ध्यान दो, और किसी भी चीज़ पर नहीं ।

इसके बाद वो चले गए और मैं रोने लगी. मैं कितनी कमीनी हो गयी हूँ कि अपने ही पापा को पटाने पे लगी हूँ !

इसके बाद मैं रोते रोते सो गई और अपने रूम का दरवाजा लॉक करना भूल गयी ।

रात को 3 बजे मेरे पापा मेरे कमरे में आये और मुझे उन्होंने उठाया. मैं पापा को देखते ही फिर से रोने लगी. उन्होंने मुझे अपने सीने से लगा लिया और मुझे चुप कराने लगे ।

उन्होंने मुझसे पूछा- क्या तूने किसी के साथ गलत काम किया है ?

“नहीं पापा !” मैंने कहा.

उन्होंने पूछा- तू हमेशा ऐसा करती है क्या ? किसने तुझे ऐसा सिखाया है ? तू क्यों ऐसा करती है, तू अभी छोटी है बहुत, ऐसा मत किया कर ।

मैंने कहा- ठीक है पापा, अब से ऐसा कभी नहीं होगा ।

और मैंने पापा को जोर से टाइट हग की और फिर रोने लगी ।

पापा भी मेरी पीठ को धीरे धीरे सहलाने लगे और मुझे उनके ऐसा करने से मज़ा आने लगा ।

वो मेरे चेहरे को अपने हाथों से पकड़कर एकटक देखने लगे और बोले- मेरी परी को भूख लगी है इसलिए रो रही है.

मैं उनकी बात समझ गयी और बोली- हाँ पापा बहुत भूख लगी है ।

उन्होंने मुझे मेरे होंठों पर एक लंबा किस दिया और मैं उनकी सीने से लिपट कर अपनी चूची को उनसे रगड़ने लगी ।

पापा मेरे छोटे गुलाबी कमसिन होंठों को चूसने लगे, अपने हाथों से अपनी बेटी के छोटे

छोटे दूध को दबाने लगे उनका साइज पता करने लगे।

मुझे बहुत मज़ा आने लगा, मेरी चुत गीली होने लगी और मेरे अंदर आग बढ़ने लगी. पापा कभी मेरे सीने को टटोलते, कभी मेरे पेट को सहलाते और कभी उससे नीचे लेकर अपनी बेटी की कमर को सहलाते.

मैंने उस रात मैरून लेगिंग्स और सफ़ेद टीशर्ट पहन रखी थी. उसके अंदर मैंने काली कच्छी और ब्रा पहनी थी. पापा अपने मज़बूत हाथों से मेरी चूचियों को ज़ोर से दबाते जिससे मेरी चीख निकल जाती थी और उनका हाथ धीरे धीरे मेरी लेगिंग्स की तरफ बढ़ने लगा.

उन्होंने अपना एक हाथ मेरी लेगिंग्स के अंदर डालकर मेरी प्यारी चुत को जोर से दबाया, मेरे मुँह से जोर से चीख निकली, मुझे दर्द हुआ और मज़ा भी आया.

मेरी चुत को पापा मसलने लगे और मैं पापा की बांहों में मचलने लगी। मैं भूल गयी थी कि जिनका हाथ मेरी फुद्दी को मसल रहा है वो मेरे प्यारे पापा है.

पापा मेरी फुद्दी को दबाते रहे और मेरी चुत से रस की धार बहने लगी. पापा मेरी चूत के रस को अपने हाथों में लेकर दिखाते हुए बोले- तुम में बहुत आग है मेरी परी, आज तुम्हारे पापा उसको शांत करेंगे बेटा, तुम दो मिनट रुको!

इतना बोले और पापा रूम से बाहर चले गए।

दो तीन मिनट बाद पापा वापस आये और उनके हाथ में दो कंडोम थे. मतलब कि आज पापा अपनी परी को दो बार चोदेंगे. यह सोचकर मैं खिल गयी।

पापा ने मुझे अपनी बांहों में उठाया और बेड पे लेजाकर मेरे कपड़े उतारने लगे. मैं लण्ड की भूखी लड़की चुदने को तैयार थी.

पापा ने पहले मेरे टीशर्ट को उतारा फिर मेरी छोटे छोटे मम्मों को मुँह में लेकर ब्रा सहित

चूसने लगे. मुझे बहुत मज़ा आने लगा, मैं 'और चूसो पापा ...' कह कर उनका सिर अपनी चुचियों पर दबाने लगी.

पांच मिनट तक पागलों की तरह अपनी बेटी की चूची चूसने के बाद उन्होंने मेरी चुचियों को ब्रा से आज़ाद कर दिया, फिर मुझे थोड़ा अपनी कमर को ऊपर करने को कहा और एक ही झटके में मेरी लेगिंग्स मेरी चड्डी सहित उतारकर अपनी बेटी को उन्होंने नंगी कर दिया.

मैं शर्म के मारे अपनी चुत को अपने जांघों से ढकने लगी. उन्होंने मेरी जांघों को फैला दिया और मेरी छोटी सी चुत को अपने मुँह में लेकर चूसने लगे. मैं बता नहीं सकती कि कितना मज़ा आया मुझे उनके ऐसा करने से!

वो मेरी चुत को पूरा खा जाना चाहते थे, उनका मुँह मेरी चुत के हर हिस्से को खा रहा था, वो अपनी जीभ से मेरी चुत के दरवाजे को सहलाते जिससे मैं पूरी पागल हो जाती और अपनी आंख मूंदकर मज़े लेती।

फिर उन्होंने अपनी उंगलियों को मेरी नाजुक चुत में घुसाया, उनकी उंगलियां बड़ी थी, मुझे दर्द का एहसास होने लगा, मैंने पापा से कहा- उंगली नहीं पापा, सीधे अपना वाला घुसाओ, और सब्र नहीं हो रहा है!

"ठीक है मेरी गुड़िया!" कहकर उन्होंने अपना लोवर निकाल कर अपना बड़ा लौड़ा मेरे सामने रख दिया. उन्होंने उसे चूसने को कहा, मैंने फट से उनका लौड़ा अपनी मुँह में भर लिया और मज़े लेकर चूसने लगी.

पापा अपने हाथों से मेरे सिर को सहलाते रहे और मैं उनका लौड़ा अपने मुँह में लेकर चूसती रही. करीब 10 मिनट तक चूसने के बाद उन्होंने मुझे मेरे होंठों पे किस किया और अपने लौड़े पर कंडोम चढ़ाया. फिर अपना लौड़ा मेरी चुत के गेट पर रखकर बोले- थोड़ा दर्द होगा मेरी गुड़िया ... फिर अच्छा लगेगा, तुम चिल्लाना मत, नहीं तो मम्मी आ



जाएंगी।

मैंने ओके कहा.

और पापा धीरे धीरे अपना लण्ड मेरी चुत में डालने लगे, मेरी चुत पहली बार किसी लण्ड के सामने खुल रही थी इस कारण पापा का लंड कभी ऊपर कभी नीचे फिसल जा रहा था।

मैंने उनके लौड़े को अपने हाथ से अपनी चूत के गेट पे रखकर उनको जोर लगाने को बोला. वो मुस्कराए और एक जोरदार धक्का लगाया, उनका लौड़ा उनकी कमसिन बेटी की चुत को चीरता हुआ अंदर घुस गया.

मैं जोर से चिल्लाई- उई मम्मी ... मेरी चुत फट गयी पापा!

उन्होंने अपना हाथ मेरी मुँह पे रखा और जोर से धक्के लगाने लगे. पापा का लौड़ा जब मेरी चुत की गहराई में जाता तो मेरी जान निकल जाया करती थी.

थोड़ी देर बाद मुझे इस दर्द में भी मज़ा आने लगा और मैं मज़े से अपने पापा से चुदने लगी। मेरी चुदाई की चाहत इतनी ज्यादा थी कि मैं पापा से 'और जोर से ... और जोर से ...' कहने लगी और वो मुझे जोरदार धक्के लगाने लगे लेकिन मैं उनके धक्कों से और तगड़ा झटका चाहती थी.

वो समझ गए और मुझे बेड के किनारे पे लेकर मेरी टांगों को और खोलकर जोरदार धक्के लगाने लगे।

मैं आज दुनिया के सबसे हसीन मज़े को महसूस कर रही थी और अपने प्यारे पापा से चुद रही थी।

लगभग 20 मिनट तक मेरी लगातार चुदाई करने के बाद पापा मेरी चुत में ही झड़ गए और बेड पर लेटकर मुझे अपने ऊपर लिटा लिया और मेरी पीठ और चूतड़ों को सहलाने लगे. मैंने उनको थैंक्यू बोला. वो मुझे किस करने लगे और बोले- जब भी ज़रूरत हो मुझे

बता देना और वो गलत हरकतें मत करना ।  
मैंने 'ठीक है ...' कहा और उनके सीने में ही सो गई ।

सुबह उठी तो अपने आपको नंगी अकेले बेड पे पाया और पापा उठकर किस टाइम चले गए मुझे पता नहीं चला ।

अब जब भी मन करता है तो पापा से कहती हूँ वो मेरी अच्छे से चुदाई करते हैं ।

कहानी पसंद आई या नहीं ... मुझे मेल करियेगा .

riyaasahu09@gmail.com

## Other stories you may be interested in

### किराये के घर में मिली कुंवारी चूत-2

दोस्तो, मेरी कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैं जॉब तलाश करने के लिए दिल्ली में पी.जी. में रह रहा था. जहाँ पर मेरी मुलाकात शिखा से हुई जो मेरी फील्ड में जॉब ढूँढ रही थी. एक दिन [...]

[Full Story >>>](#)

### मेरा पहला प्यार सच्चा प्यार-8

अभी तक आपने पढ़ा कि मैं अपनी सहेली कर घर में अपने आशिक के साथ नंगी हालत में पकड़ी गई और मुझे बदनामी का दंश झेलना पड़ा. अब आगे : फिर मैंने मम्मी के फोन से दूसरे दिन आशीष को फोन [...]

[Full Story >>>](#)

### आपा का हलाला-1

अब तक आपने मेरी कहानी आपा के हलाला से पहले खाला को चोदा में पढ़ा था कि नूरी खाला को जबरदस्त चुदाई का मजा देने के बाद दूसरे दिन मेरा निकाह हलाला की बंदिश में बंधी मेरी आपा सारा से [...]

[Full Story >>>](#)

### मुंबई में पड़ोस की कमसिन माल की चूत चुदाई

दोस्तो नमस्कार, मेरा नाम विकास है और मैं मुंबई में रहता हूँ. मेरी उमर 23 साल की है और मेरे लंड का साइज़ भी मेरी उमर के हिसाब से ज्यादा है. ये काफी मजबूत किस्म का लंड भी है और [...]

[Full Story >>>](#)

### किराये के घर में मिली कुंवारी चूत-1

कैसे हो दोस्तो ? मेरा नाम पंकज कुमार है और मैं झारखण्ड का रहने वाला हूँ. मेरी उम्र 26 साल है. मेरे शरीर के बारे में बात करें तो मेरा रंग गेहुँआ है. हाइट भी औसत है और दिखने में भी [...]

[Full Story >>>](#)

